महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय) *(A*
Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

'द कैट' परियोजना - तलछट

हिंदी विश्वविद्यालय के नाटयकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग की प्रस्तुति

वर्धा दिनांक 25 सितंबर 2012 : 'द कैट प्रोजेक्ट-तलछट' महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग के युवा छात्रों की प्रस्तुति है। उक्त प्रस्तुति का उद्देश्य प्रोसीनियम मंच से हटकर एक 'वैकलिप्क स्पेस' की खोज करके उसमें आधुनिक विन्यासन के तत्वों का समायोजन है।

'द कैट प्रोजेक्ट-तलछट' की पूरी प्रस्तुति संवाद-विहीन है। अभिनेताओं की शारीरिक गतियों ध्वनि, शिल्प-तत्व तथा मल्टीमीडिया के प्रयोग से एक नई रंगमंचीय भाषा को गढ़ने का प्रयास युवा विद्यार्थियों के द्वारा इस प्रस्तुति में किया गया है। यह भाषा एक संपूर्ण कहानी का निर्माण करती है। 'द कैट प्रोजेक्ट-तलछट' की मूलत: कहानी युद्ध के विरोध में गढ़ी गई है।

'कैट' को अवधारणा के रूप में ग्रहण किया गया है। परिकल्पना नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग की छात्रा सुरभि विप्लव द्वारा की गयी है तथा इस परियोजना का निर्देशन नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग की डॉ. विधु खरे दास ने किया है। तकनीकी सहयोग धर्मप्रकाश 'मंटो' ने किया है।

नाटक में मंच पर नीरज उपाध्याय, सौरभ गुप्ता, प्रमोद पाण्डेय, अशोक बैरागी, विपिन गौड, विवेक गुप्ता, रविन्द्र अशोक, अनन्य नामदेव, शुवि दाधीच,

श्वेता क्षीरसागर, सुरभि विप्लव, अभिषेक त्रिपाठी आदि ने भूमिका निभाई। नाटक में संगीत संयोजन राजदीप सिंह राठौर ने किया। मल्टीमीडिया व्यवस्था धर्म प्रकाश मंटो, संतोष कुमार यादव, जय प्रकाश, अनिमेष दास की थी। नाटक का निर्देशन सुरभि विप्लव का और मार्गदर्शन विधु खरे का था। यह नाटक विश्वविद्यालय के नाटयकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग के आंगन में प्रस्तुत किया गया।

बी. एस. मिरगे
जनसंपर्क अधिकारी